



अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ हम ही दे सकते हैं। इसके लिए हमें अपने स्वास्थ्य, आर्थिक, मानसिक, आत्मिक, संबंध और तकनीक प्रबंधन की कला सीखनी होगी। इस कला के सूत्रों को अपनाकर हमारा जीवन निश्चित ही तनावमुक्त, उत्साह और ऊर्जा से भरपूर बन जाएगा। इसका शुभारंभ हम कल से शुरू हो रहे नववर्ष से ही कर सकते हैं।

नए वर्ष में दें जीवन को नया अर्थ

आवरण कथा / कुमार राधारण

यह जीवन सुख-दुख और हर्ष-विषाद की एक अनवरत यात्रा है। हमारी कामनाएं इस यात्रा को गति देती हैं और परेशानी का कारण भी बनती हैं। इस वर्ष आपने ना जाने कितनी योजनाएं बनाई होंगी। कुछ पूरे हुए होंगे और कुछ शेष होंगे। कल की बेहतरी की उम्मीद जिजीविषा को बनाए रखती है और जीवन को नए मायने देती है। वस्तुतः नए वर्ष का बोध व्यक्ति को ऊर्जा से भर देता है और यही ऊर्जा मनुष्य के विकास का आधार है। कल से आरंभ हो रहे नववर्ष में हम स्व प्रबंधन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

आर्थिक प्रबंधन

यह आर्थिक युग है। जीने के लिए धन की अनिवार्यता है और आर्थिक आत्मनिर्भरता हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आप अपने परिवार से इतर लोगों के लिए भी सहारा बनते हैं और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान देते हैं। व्यवसाय कई पीढ़ियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। व्यवसाय के लिए पूंजी चाहिए और लंबे समय तक छोटी बचत से भी बड़ी पूंजी खड़ी हो सकती है। बाजार के प्रभाव में आकर अनावश्यक खर्च से बचें और आर्थिक रूप से जागरूक बनें। जिस निवेश में जोखिम हो, उसमें लाभ की संभावना भी छिपी होती है। नया

वर्ष ऐसी किसी योजना को कार्यरूप देने का अवसर है। जमीन या मकान में ऐसा निवेश ना करें, जो कई वर्षों तक आपकी परेशानी का सबब बना रहे। वास्तविक जरूरत का सम्यक आकलन ऐसी परेशानी से बचा सकता है।

स्वास्थ्य प्रबंधन

जो स्वस्थ है, वही जीवन का आनंद ले सकता है। किसी रोग से ग्रस्त होने से पहले भी शरीर कई तरह के संकेत देता है, लेकिन सामान्यतः हम उन्हें पकड़ नहीं पाते क्योंकि हम इसके प्रति इतने जागरूक नहीं होते। ऐसे में, बेहतर यही है कि प्रतिवर्ष बुनियादी मानदंडों पर अपने स्वास्थ्य को परखने के लिए अपनी जांच कराएं ताकि यदि कोई रोग भीतर पनप भी रहा हो, तो शुरुआती दौर में ही उसका पता चल जाए और



आप आगे का जीवन सक्रियतापूर्वक बिता सकें। क्या बीत रहे वर्ष में आपने ऐसी कोई जांच कराई है? यदि हां, तो क्या आपकी दिनचर्या डॉक्टर के कहे मुताबिक ही चल रही है या आप अब भी तमाम लक्षणों का विश्लेषण अपने कयास के आधार पर कर रहे हैं? चिकित्सा विज्ञान ने जो प्रगति की है, उसका लाभ उठाना आपका अधिकार है, यह लाभ लेने में ही ना सिर्फ आपकी बल्कि आपके परिवार की भी सुरक्षा और भलाई है।

संबंध प्रबंधन

यह दुनिया संबंधों की है। बहुधा देखा जाता है कि पद, कद, रुतबा बदलते ही हमारे व्यवहार में परिवर्तन आने लगता है। अपनी खुशहाली में हम जिनसे सम्मान और मान्यता की अपेक्षा रखते हैं, व्यवहार जगत में हम उन्हीं रक्तसंबंधियों से दूर होने लगते हैं। हममें से अधिकतर लोग अपने ही सगों से धोखा खाए, सताए हुए हैं। ऐसे में, कई बार पराए, अल्पपरिचित लोग अधिक प्रिय लगने लग जाते हैं। फिर भी, संबंध छूट नहीं जाते। मैं सही-तू गलत के चक्कर में यदि संबंधों की न्यूनतम मर्यादा के पालन से भी आप चूके हों, तो आने वाला वर्ष इसे सुधारने का अवसर है। नए संबंध भी बनाएं और रक्तसंबंधियों से भी जुड़े रहें। इससे आगे चलकर पहचान का संकट पैदा नहीं होगा।

तकनीक प्रबंधन

सबसे कीमती है समय। सही समय पर लिया गया सही निर्णय एक लंबी छलांग दे सकता है। लेकिन हममें से बहुतों की दुनिया अब गैजेट्स तक सीमित रह गई है। वास्तव में, इन दिनों लोग सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय दे रहे हैं। परिवार छोटे हो रहे हैं और परिवार का हर सदस्य अपने मोबाइल में व्यस्त है। गौर कीजिए कि दिन भर वृद्ध वर्ष में आपने प्रतिदिन सोशल मीडिया पर बिताए औसत समय की



तुलना में क्या कुछ हासिल किया? सोशल मीडिया आपके लिए अपनी रचनात्मकता की अभिव्यक्ति या धनार्जन का विषय है या आप बस टाइमपास कर रहे हैं? गैजेट्स पर अपनी व्यस्तता की समीक्षा कीजिए और अधिक सार्थक काम को समय दीजिए। जीवन की जरूरतें बहुत अधिक नहीं हैं और ना ही महत्वकांक्षा का कोई अंत है। इसलिए किसी भी तकनीक को उतना ही समय दें, जितने के बाद भी आप परिवार को पर्याप्त समय दे पा रहे हों।

आत्म प्रबंधन

मनुष्य केवल मूख, नींद और पैसा कमाने के लिए नहीं है। उसके पास एक विकसित मन और चेतना भी है। जीवन की इस आप-धापी में, हमारे पास अपने लिए समय ना के बराबर रह गया है। आज ऐसा एकता दुर्लभ होता जा रहा है, जिसमें हम कुछ समय सिर्फ अपने आपको दे सकें। स्वाध्याय, चिंतन-मनन, शांत करने वाले संगीत और ध्यान से हममें से अधिकतर लोग विमुक्त हैं। जीवन में जो कुछ भी आध्यात्मिक रूप से मूल्यवान है, तकनीक तो हमें नहीं दे रही है। जो किरंर सक्तिवत के साथ ठहरना भी जरूरी है। नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए आत्ममंथन भी हो कि क्या हमें बेहतर मनुष्य बना रही है? यह समय इस वर्ष की गलतियों से सबक लेकर नए वर्ष में नए संकल्प के साथ प्रवेश करने का है। क्या आपके खान-पान और जगत-व्यवहार में शुचिता है? क्या वेतना के तल पर आप ऊपर उठ पाए हैं? क्या आपके जीवन में आध्यात्मिकता है? इन प्रश्नों के जवाब अगर ना हैं तो यही सही समय है कि आत्मचेतना के लिए भी सक्रिय हों।

मानसिक प्रबंधन

संभव है, बीत रहा वर्ष आपके लिए किसी विषय या क्षेत्र में कड़वा अनुभव देने वाला रहा हो। यह अनुभव नए वर्ष में आपके काम आ सकता है, क्योंकि बकौल हरिवंश राय बच्चन-जो बीत गई, सो बात गई। किसी दुर्घटना के डर से हम सड़क पर निकलना तो नहीं छोड़ देते। जीवन में आगे बढ़ना ही होता है। अपनी जिजीविषा के बूते मनुष्य ने अनंत चुनौतियां पार की हैं। प्रकृति प्रतिपल नूतन है और जीवन का हर क्षण एक अप्रतिम अवसर है। महाप्राण निराला का महामंत्र है- 'नवगति नवलय ताल-छंद नव, नवल कंठ नव जलद मंत्र रवा।' जब तक आपमें प्राणऊर्जा है, आप अपनी परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर सकते हैं। अनंत अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। आइए, अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ देने के शुभ संकल्प के साथ नव वर्ष में प्रवेश करें। *



लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

आभासी चक्रव्यूह

नववर्ष के संकल्पों की सूची बनाते हुए उसने तकनीकी दुनिया से मिली सुलहियातों पर भी विचार किया। नए साल में अपनी दुनिया नई कर लेने के वादों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के लिए बहुत से एप स्मार्ट फोन में डाउनलोड कर लिए। फोन की स्क्रीन पर पल-पल अवतरित हो वजन घटाने की युक्तियां



बताने वाले एप से लेकर मन की सेहत सुधारने के तरीके सुझाने वाले एप तक। कोई एप दिन की शुरुआत में ही सितारों की चाल जान लेने के लिए चुना तो कोई जीवनशैली बदलने के गुरु समझने के लिए। उसके उत्साहित युवा मन को ये एप्स झटपट कुछ कर जाने और उसका लेखा-जोखा रखने के माध्यम प्रतीत हुए। साल का पहला सप्ताह स्क्रीन पर अवतरित होते सुझावों को समझते-गुनते ही बीत गया। स्क्रीन स्कॉल का वस्तु घटने के बजाय और बढ़ गया। साथ ही कम हो गई लक्ष्य तक जाने, जो करने की ठानी है, उसे कर पाने की सक्रियता और प्रतिबद्धता। कोई संकल्प मुश्किल लगता तो मन उसका

विकल्प भी किसी दूसरे एप में तलाशने की वर्युअल दौड़-धूप शुरू कर देता। यह नहीं तो वह, वह नहीं तो यह। कुछ ना करते हुए सब कुछ कर जाने का आभासी चक्रव्यूह असल जीवन को घेरने लगा। गति पकड़ने के गुरु बताने वाले माध्यमों से जीवन कुछ और ठिठक-सा गया।

बेटे के स्वयं से किए वादों का दावे भर बनकर रह जाना देख मां ने संयत स्वर में एक दिन कहा, 'सोचने या चाहने भर से कुछ नहीं होता बेटा, नियमित समय और ऊर्जा लगाना ही अपने लक्ष्य तक जाने का एकमात्र रास्ता है।' बेटे ने मां की ओर देखकर हामी भरी, 'हां मां, मैं समझ गया हूँ। यह सब ध्रम-सा ही है। स्क्रीन के इस ओर बैठकर जानी-समझी गईं बातों के मायने भी तभी हैं, जब वास्तविक दुनिया में हम स्वयं

इन्हें लागू करने की ठांनें। मां ने आशा भरी नजर से अपने बेटे को देखा और फिर बोली, 'अपने आपको या जिंदगी को बदलने की राह में असर तभी नजर आता है, जब सूचनाओं और जानकारियों को जुटाने के साथ-साथ मन-जीवन में भी सक्रियता लाई जाए। बदलाव का मार्ग किसी एप में नहीं स्वयं अपने आप में है बेटे।' बेटे ने बरसों से सधी-सजग और सक्रिय दिनचर्या का पालन कर रही मां की ओर मुस्कराकर देखा और स्क्रीन स्कॉल कर रहे अग्रुठ को विराम दिया। फोन एक तरफ रख मन ही मन कुछ ठानते हुए वह कागज-कलम ले गंधीरता से अपनी समय सारिणी बनाने लगा। *



गीत
अशोक 'अंजुम'

नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

तोड़ गया, अंदर तक रगको तोड़ गया, गया वर्ष जो उलझन अरुणिण छोड़ गया, तुम देना निष्कर्ष, तुम्हारा स्वागत है! स्वागत है, नववर्ष तुम्हारा स्वागत है! जो सव्याई की राहों के साथक हैं, मानवता के जो सव्ये आराधक हैं, वे पाएं उरुकर्य, तुम्हारा स्वागत है! स्वागत है, नववर्ष तुम्हारा स्वागत है! निर्बल का बल बनकर जो भी रहते हैं, गिनके मन में करुणा के नद बहते हैं, उनको देना र्ब, तुम्हारा स्वागत है! स्वागत है, नववर्ष तुम्हारा स्वागत है! सबके पथ पर सुंदर फूल खिलाना तुम, भटकों को अरु भ्रंजिल तक पहुंचाना तुम, सुफलित लें संघर्ष, तुम्हारा स्वागत है! स्वागत है, नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

आत्मप्रेरणा / बीके शिवानी, मोटिवेशनल स्पीकर

आध्यात्मिक संस्था ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़ी राजयोग मेडिटेशन शिक्षिका एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दुनिया भर के लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन में सार्थक और सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रेरित करती रहती हैं। नववर्ष के अवसर पर शिवानी बता रही हैं बेहतर, शांतचित और खुशहाल जीवन जीने के सूत्र।



नए संकल्प लें दृढ़ता से करें उन्हें पूर्ण

आध्यात्मिक प्रेरक वक्ता बीके शिवानी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। 2007 में प्रसारित टीवी शो- 'अवेकनिंग विद ब्रह्मा कुमारीज' के माध्यम से उन्होंने जनमानस को मानसिक तनाव, अवसाद आदि मानसिक विकारों से मुक्त होकर अपने आत्म-सम्मान को ऊंचा रखने एवं आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की प्रेरणा दी। 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित बीके शिवानी विश्व साइकिपेट्रिक एसोसिएशन की गुडविल एम्बेसेडर होने के अलावा फॉन्सी (एफओजीएसआई) के अद्भुत मालुत्व कार्यक्रम से भी जुड़ी हैं। प्रस्तुत हैं उनके प्रेरक विचार, उन्हीं की जुबानी।

नव वर्ष के मायने

नए वर्ष का मतलब होता है, पुराने को विदाई और नए को बधाई देना। पुरानी, कड़वी बातों, घटनाओं को भूल कर आगे बढ़ना। लेकिन क्या हम ऐसा कर पाते हैं? जवाब है-नहीं। अधिकतर लोग वर्षों तक इन कटु बातों को याद रखते हैं। मन पर बोझ लिए चलते रहते हैं और दुखी रहते हैं। जरूरी यह है कि हम पुराने साल को विदा करते समय ऐसी तमाम यादों, कमजोरियों को बिसारते जाएं। हरेक के प्रति शुभभावना रखें। लोगों को दुआएं दें, तो स्वयं को भी दुआ देना ना भूलें। नए, शक्तिशाली संकल्प लें और इन्हें दृढ़ता के साथ पूर्ण करें।

स्व-परिवर्तन सिखाता है राजयोग ध्यान

राजयोग ध्यान द्वारा स्व-परिवर्तन की इस अद्भुत यात्रा को मुझे 25 वर्ष से अधिक हो गए हैं। गुजरते समय के साथ अपने भीतर छिपे अहंकार को आत्मिक स्वरूप के अभ्यास से परिवर्तित करने का प्रयास किया है। यह यात्रा अब भी जारी है, क्योंकि आंतरिक शक्ति का विकास एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें किसी से कुछ मांगना नहीं, सिर्फ देना होता है। देने से आंतरिक शक्ति स्वयं ही बढ़ती जाती है। जो हम देते हैं, बदले में वही पाते हैं। यह सोच दुनिया को उस मान्यता से ठीक विपरीत है कि हम जो पाते हैं, वही सच है। इससे शांति, स्थिरता एवं स्वीकार्यता तीनों बढ़ती हैं। इच्छाएं खत्म होती जाती हैं और वर्तमान में रहने की आदत स्वाभाविक बन जाती है। हमारे ब्रह्मा कुमारीज में एक खूबसूरत कहावत है कि जब मैं बदलूंगी तो मेरी दुनिया भी बदलेंगी। तमाम आध्यात्मिक सिद्धांत एवं पद्धति भी स्व में सुधार लाने पर ही जोर देते हैं। अर्थात् स्व का ध्यान रखें, स्व की जिम्मेदारी लें, स्व को सशक्त बनाएं, स्व को मान दें एवं स्व को प्रेम करें। ऐसा करने से हम आध्यात्मिक, भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक पांचों रूपों में शक्तिशाली बनते जाते हैं। इसलिए किसी व्यक्ति या बाह्य परिस्थिति के बदलने की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं पर ध्यान दें।

ऐसे रखें खुद को शांत

अशांत वातावरण में खुद को शांत रखने से पहले हमें समझना होगा कि कोलाहल हमारे आस-पास नहीं, बल्कि हमारे अपने मन के अंदर होता है। अगर सुबह ही हम अपने मन की स्थिति को ठीक कर लेते हैं और पूरा दिन थोड़ा-थोड़ा उसका ध्यान रखते रहते हैं, तो कैसी भी परिस्थिति आने पर हम उसका स्थिर रहकर सामना कर पाते हैं। जैसे किसी फोन को सुबह

चार्ज करने के बाद उसके सैकड़ों फीचर्स पूरे दिन कार्य करते रहते हैं। लेकिन बैट्री अगर चार्ज ना हो, तो फिर फोन रखने का कोई उद्देश्य नहीं रह जाता है। उसी प्रकार, हमारी आत्मा भी एक बैट्री की तरह ही है, जिसे हमें हर सुबह मेडिटेशन से चार्ज करना पड़ता है। इसके अलावा, जब हम कर्मयोगी के स्वरूप में स्थित होकर कोई कार्य करते हैं, तो उसकी दिशा सही होती है। कहने का तात्पर्य है कि हर कर्म करते हुए हमें अपने वाइब्रेशंस का ध्यान रखना होता है।

कैसे मिलती है सच्ची खुशी

सच्ची खुशी तब मिलती है, जब हमारा मन हर परिस्थिति में स्थिर रहता है। यानी बाह्य संसार में कुछ भी घटित क्यों ना हो रहा हो, कोई व्यक्ति कुछ भी क्यों ना बोल रहा हो, आलोचना ही क्यों ना कर रहा हो, मन हलचल में नहीं आता है। विचलित नहीं होता है और हम खुश रहते हैं। इसी प्रकार, जब मन में सही विचार उत्पन्न होते हैं, तो हमें खुशी मिलती है। असल में खुशी हमारे भीतर ही छिपी है। वह प्रत्येक मनुष्य आत्मा का मूल एवं आंतरिक गुण है। विडंबना यह है कि आज मानव बाहरी दुनिया में खुशी तलाश रहा है। उसकी खुशी दूसरों पर निर्भर हो गई है। मनोनुकूल परिस्थिति ना होने पर वह दुखी, निराश हो जाता है। ऐसे में हम अगर अपनी स्व स्थिति पर ध्यान दें, तो खुश रहने से कोई रोक नहीं सकता है।

बच्चों-युवाओं के लिए संदेश

आजकल बच्चे, किशोर और युवा कई तरह की मानसिक समस्याओं का सामना करते दिखते हैं। हमें समझना होगा कि उनकी मानसिक समस्याओं के कई कारण हैं। पहला, वे अपने घरों में बड़ों को गुस्सा, तनाव, बेचैनी, चिंता आदि में घिरा देखते हैं। वही वाइब्रेशन उन्हें खुद भी अनुभव होती है। इसके अतिरिक्त, बाहरी जगत का नकारात्मक वातावरण उनके मन-मस्तिष्क पर प्रतिकूल

प्रभाव डालता है। इसके अलावा, अभिभावकों एवं अन्य लोगों द्वारा बच्चों के अंदर निरंतर यह विचार डाला जाता है कि जैसी परिस्थिति होगी, वैसी ही उनका मन होगा। परिणाम यह होता है कि बच्चों और युवाओं की भावनाएं बाह्य कारकों पर निर्भर करने लगती हैं। किसी को क्रोध आता है, तो वे भी गुस्सा करने लगते हैं। कोई निराश होता है, तो उन्हें भी वही महसूस होता है। इस प्रकार की भावनात्मक निर्भरता से उनका भावनात्मक स्वास्थ्य कमजोर हो जाता है। हालांकि, बच्चे या युवा अपनी दिनचर्या में सुधार लाकर इन तमाम समस्याओं से निजात पा सकते हैं। उनके बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वे रात को समय से (दस बजे तक) सोएं। सोने से कम से कम एक घंटे पहले गैजेट्स से दूरी बना लें। इसके बदले सकारात्मक चीजें पढ़कर या सुनकर सोएं। तब नींद भी अच्छी आएगी और सुबह जल्दी उठ सकेंगे। दिनचर्या में निरंतर ध्यान पा सकते हैं। साथ में उनकी रचनात्मकता, स्पष्टता, निर्णय लेने की क्षमता सब बढ़ जाएगी। याद रखें कि आप जो पढ़ते, सुनते, देखते और बोलते हैं, उससे ही विचार उत्पन्न होते हैं। इसके अलावा, टीवी या मोबाइल फोन देखकर खाना बंद करें। खाने से पहले मेडिटेशन के जरिए ध्यान में सकारात्मक ऊर्जा भरें। हो सके तो घर का बना भोजन करें, जिसमें चीजों के वाइब्रेशन होते हैं और जो शुद्धता से बनाए जाते हैं। इन उपायों से उन्हें अवश्य लाभ होगा। *

बातचीत : अंशु सिंह

नए वर्ष के दोहे

अखिलेश श्रीवास्तव जगन
अरुणबारां में सुर्यकिंयां, नया दिवस श्री रेव।
मन ना माने बात वह, पढ़ते थक गए मन।
शांते त जाते रहे, नए साल हर साल।
यश प्रख अरु भी वही, कपड़ा, रोटी, दात।
गए साल में लिखना था, एक नया इतिहास।
वही पुरानी बेवसी, विधवा-विधवा र्ब।
आंख धर्यो, घेरे बुझे, जन-गण हैं बदलत।
मृद, गरीबी, व्याधियां, दे गया गुजरा साल।
नया साल में लिखना था, एक नया इतिहास।
क्या लिखें यह सोचते, बीते बारह मास।
कितने फागुन, वैत गए, कितने अरुण, गाध
नए नुरोटी में भिते, वही पुराने घाघ।
टैव, डार श्री नकरते, अंभंडाई की गार।
हे विधवा नववर्ष में, हो ऐसा संयोग।
भिते देश की देहे से, दशावर्दी रेव।

रश्मि बड़े ध्यान से सूरज को देख रही थी।

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'सूरज तो कल जैसा ही है, तो फिर यह साल नया कैसे हो गया? मैं तो यह नहीं मानती कि कुछ भी नया है।' तभी पीछे से आकर रश्मि की भाभी ने उसे चौंका दिया, 'सुबह-सुबह बहुत ध्यान से क्या देख रही हो रश्मि? क्या नया नजर आ रहा है आज?' 'नया ही तो कुछ नजर नहीं आ रहा है। कल से टीवी, अखबारों में सुन-पढ़ रही हूँ, नए साल का नया सूरज! पर यहां नया और नयापन जैसा कुछ भी नजर नहीं आ रहा। खैर! आपको नया साल मुबारक हो भाभी!' रश्मि ने उलझे स्वर में जवाब दिया। 'नयापन तो महसूस करना पड़ता है रश्मि। अगर हम इसे महसूस कर लें तो सब कुछ नएपन से भर जाएगा। हमारे समझाने की कोशिश की। यह सुनते ही रश्मि के शरीर में एक अजीब-सी सिहरन दौड़ने

लघुकथा / ललित शौर्य

नया सूरज



लगेगी। सूरज का नयापन हमें पहले से ज्यादा गर्माहट देगा। संबंधों का नयापन पहले से ज्यादा गहरा लगेगा। हमें अपने भीतर एक नई ऊर्जा महसूस होगी।' भाभी ने रश्मि को समझाने की कोशिश की। यह सुनते ही रश्मि के शरीर में एक अजीब-सी सिहरन दौड़ने

गई। अभी तक जो सूरज उसे तेजहीन लग रहा था, अचानक उसकी आंखों के सामने दमकने लगा था। उसने भाभी को गले लगा लिया, बोली, 'भाभी, मुझे इस नए सूरज और नएपन का आभास कराने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और नए साल की शुभकामनाएं।' *



पेरिस

दुनिया के इन 5 शहरों में होता है नए साल का शानदार जश्न

नए साल का स्वागत दुनिया भर में मध्य तरीके से किया जाता है। कई शहरों में तो इसके सामूहिक जश्न में हजारों की संख्या में लोग इकट्ठे होते हैं। लेकिन कुछ शहर अपने न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया के पांच शहरों के अनोखे न्यू ईयर सेलिब्रेशन के बारे में।

सेलिब्रेशन नॉरवे

साल 2024 के स्वागत की तैयारियां पूरी दुनिया के अधिकांश देशों में हो चुकी हैं। नए साल का जश्न अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है, लेकिन दुनिया के 5 उत्सवधर्मी शहरों में यह धमाल देखते ही बनता है।

न्यूयॉर्क, अमेरिका

न्यू ईयर सेलिब्रेशन शानदार तरीके से करने वाले शहरों में पहला नंबर अमेरिका के न्यूयॉर्क का आता है। अमेरिका के इस तेज रफ्तार और टेक सिटी कहे जाने वाले शहर में नए साल का उत्सव कुछ इस कदर मनाया जाता है, मानो इस उत्सव के सिवाय दुनिया में खुश होने की कोई दूसरा सेलिब्रेशन ही ना हो। न्यूयॉर्क शहर में मनाया जाने वाला नए साल का जश्न हॉलीवुड फिल्मों की तरह दुनिया में अपने ढंग का अकेला है। शहर के टाइम्स स्क्वायर पर देश-विदेश के हजारों लोग नए साल का स्वागत करने के लिए इकट्ठा होते हैं। सारी रात खाते-पीते और नाचते-गाते हैं। यहां हर साल इस भव्य



टाइम्स स्क्वायर पर जश्न मनाते अमेरिकी

समारोह में दुनिया के कई फेमस म्यूजीशियंस अपनी परफॉर्मस देते हैं।

रियो डी जेनेरियो, ब्राजील

नए साल का उत्सव मनाने के लिए दुनिया के जिस दूसरे शहर में बड़ी संख्या में दुनिया भर से आकर



कोपाकबाना बीच पर आतिशबाजी देखते लोग

लोग इकट्ठा होते हैं, वह है- रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के इस शहर में नए साल का उत्सव मनाने के लिए लोग विश्व प्रसिद्ध कोपाकबाना बीच पर व्हाइट ड्रेस पहनकर एकत्र होते हैं। यहां इस शहर की ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी नए साल का स्वागत करने वाली पार्टी होती है। आज ये दुनिया की सांस्कृतिक धरोहरों में भी शुमार है। कोपाकबाना बीच पर यह पार्टी 31 दिसंबर की रात 8 बजे शुरू होती है और सुबह 8 बजे तक चलती है। इस पार्टी में भी दुनिया के मशहूर डीजे और फेमस आर्टिस्ट शामिल होते हैं।

पेरिस, फ्रांस

फैशन की वैश्विक राजधानी और ब्यूटी-ब्लैमर की पहचान वाला फ्रांस का शहर पेरिस भी नए साल की पूर्वसंध्या पर मनाए जाने वाले अपने जश्न के

लिए पूरी दुनिया में विख्यात है। एफिल टॉवर का यह शहर वाकई 31 दिसंबर की रात दुनिया की रोमांटिक राजधानी में तब्दील हो जाता है। इसके इस रोमांस को तब और चार चांद लग जाते हैं, जब एफिल टॉवर के मैदान में रंग-बिरंगी गगन चूमती रोशनी के शरारे आसमान में दुनिया के लिए उम्मीदों के नए स्लोगन रचते हुए रोशनी का रंगीन उजास बिखरते हैं। वास्तव में यह सांस्कृतिक अनुभवों का एक साझा विश्व मंच भी है, इसलिए इस रात दुनिया भर से आए मशहूर संगीतकार एफिल टॉवर के प्रांगण में अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं।

लंदन, यूके

दुनिया का तीसरा सबसे उत्सवधर्मी शहर लंदन (यूके) है। यहां 31 दिसंबर की रात जैसे ही 12 बजते हैं, ठीक उसी समय टेम्स नदी के तट पर मौजूद हजारों लोग बिग बेन चमचमाती आतिशबाजी का आनंद लेते हैं। यहां लोग इस आतिशबाजी के जश्न को देखने के लिए टिकट खरीदते हैं और आकाश चूमती आतिशबाजी को देखकर रोमांचित होते हैं। लंदन के कई कॉमेडी क्लबों में भी अपने ढंग से नए साल का जश्न



लंदन में नए साल पर निकलती हैं झांकियां



सिडनी में न्यू ईयर ईव पर आतिशबाजी का नजारा

मनाया जाता है। माना जाता है कि लंदन जश्नों की राजधानी है और यह सही ही माना जाता है, क्योंकि 31 दिसंबर की रात पूरा लंदन नए साल की अगवानी के लिए रंग-बिरंगी झांकियों, मार्चिंग बैंड और क्वीन के घोड़ों के जुलूस का आनंद लेता है।

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया का सिडनी, नए साल की पूर्वसंध्या पर भव्य जश्न की प्रस्तुति रचने वाला दुनिया का एक और मशहूर शहर है। यहां की भव्य आतिशबाजी भी लोगों को सम्मोहित कर देती है। यहां होने वाली आतिशबाजी की आवाज 16 किलोमीटर दूर तक सुनाई पड़ती है और उसके रंग-बिरंगे रंग दिखाई पड़ते हैं। यहां रात 9 बजे से यह सिलसिला शुरू होता है और सुबह 4 बजे तक चलता रहता है। सिडनी में नए साल के जश्न के महत्वपूर्ण हिस्सों में एक वाटरफ्रंट का हिस्सा भी है, जहां देशभर के आए कलाबाज भाग लेते हैं और अपने कौशल का प्रदर्शन करते हैं। सिडनी के इस समारोह की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनियाभर में इस समारोह को टीवी पर देखने वाले लोगों की संख्या करोड़ों में होती है। *

रैंड / शेलेट्ट सिंह

माम शोध और सर्वे बताते हैं कि वर्षात की शाम या नए वर्ष की सुबह जो भी रेजॉल्यूशन लिए जाते हैं, उनमें से 99.99 प्रतिशत कुछ ही दिनों तक निभाए जाते हैं। यह बात हम सब जानते हैं। फिर भी हर साल करोड़ों लोग नए साल को नए ढंग से शुरू करने के अनगिनत संकल्प करते हैं। बहरहाल, हर साल की तरह आज पुराना साल खत्म होने वाला और कल से नया साल शुरू होने वाला है, इसलिए मुंबई से लेकर मेलबोर्न तक और नागपुर से न्यूयॉर्क तक संकल्पों के उत्साह की छटा छाई हुई है। पूरी दुनिया में इस साल लोग सबसे ज्यादा कौन-कौन से संकल्प ले रहे हैं, आइए इस पर एक नजर डालते हैं।

डिजिटल छोड़कर रहना: हर साल पूरी दुनिया में जो पहले चार सबसे ज्यादा रेजॉल्यूशन किए जाते हैं, उनमें से एक यह है कि बहुत हो गया, इस साल मैं शराब की लत छोड़कर ही रहूंगा। हर साल की तरह इस साल भी यह पूरी दुनिया में लिए जाने वाले संकल्पों में सबसे प्रमुख संकल्प बना हुआ है। शराब के साथ ही सिगरेट और भारतीय संदर्भों में पान मसाला और गुटखे को भी जोड़ लीजिए।

वजन कम करना: वजन कम करना हर साल पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा किया जाने वाला संकल्प है। पूरी दुनिया में जितने मोटे लोग हैं, उनमें

दुनिया के पॉपुलर न्यू ईयर रेजॉल्यूशंस



से आधे से ज्यादा गुजर रहे साल की आखिरी शाम को आने वाले साल में वेट कम करने की कसमें खाते हैं। फिर रोमांचित होते हैं कि अब तो उनका वेट कम होकर ही रहेगा। लेकिन 50 फीसदी संकल्प तो 15 जनवरी पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ देते हैं, बाकी 25 फीसदी महोत्सव के आखिरी हफ्ते तक जाते हैं, लेकिन 15 फरवरी तक आते-आते करीब 97-98 फीसदी लोग इस संकल्प को तोड़ देते हैं।

इस साल नो फास्ट फूड: इस साल का यह तीसरा सबसे ज्यादा लिया गया संकल्प है 'अब फास्ट फूड को टाटा बाय-बाय'। इस डिजिटल इंफॉर्मेशन के दौर में जो सूचनाएं सबसे ज्यादा पढ़ी, देखी और सुनी जाती हैं, उनमें स्वास्थ्य संबंधी सूचनाएं प्रमुख हैं। आज हर कोई इस बात को भली-भांति जानता



है कि फास्ट फूड खाना अपने स्वास्थ्य का नुकसान करता है। लेकिन हर साल की तरह इस साल भी लोगों ने जमकर यह संकल्प लिया है कि साल 2024 में तला-भुना जंक फूड छोड़कर घर का बना स्वस्थ और ताजा फूड खाएंगे।

परिवार को खुब समय देना: इस साल भी इसकी जगह पहले दस प्रमुख संकल्पों में बनी हुई है। पूरी दुनिया में महिलाओं को अपने पतियों से सबसे ज्यादा शिकायत परिवार को उनके द्वारा समय ना देने की ही होती है। इसका इस कदर मनोवैज्ञानिक असर होता है कि चाहे अपनी मजबूरियों के चलते भी कोई दिन के ज्यादातर समय घर से बाहर रहता हो, इसके बाद भी हर कोई यही मानकर चलता है कि वह अपने परिवार को जरूरी समय नहीं दे पा

बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह



कल से शुरू हो रहा साल 2024 सिने प्रेमियों के लिए बहुत दिलचस्प होने की उम्मीद है। जिन फिल्मों का लंबे वक्त से इंतजार था, वो संभवतः रिलीज हो जाएंगी। ऐसी फिल्मों में रितिक रोशन की 'फाइटर' से लेकर अजय देवगन की 'सिंहम अगेन' शामिल हैं। साथ ही साउथ की 'पुष्पा 2: द रूल पार्ट 2' को लेकर भी आकर्षण बढ़ा हुआ है। सिद्धार्थ आनंद की परियत एक्शन फिल्म 'फाइटर' में रितिक रोशन के अलावा दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 25 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में आएगी और उसी से अंदाजा किया जा सकेगा कि 2023 में जिस तरह दर्शक थिएटरों में 'पठान', 'गदर 2', 'जवान', 'एनिमल', 'टाइगर 3' फिल्में देखने के लिए उमड़ें थे, वैसे ही 2024 में भी दिलचस्पी बनाए रखेंगे या नहीं।

'सिंहम अगेन' से टकराएगी 'पुष्पा 2': रोहित शेट्टी की कॉपी सीरीज 'सिंहम' बहुत सफल रही है। अजय देवगन इसके लीड एक्टर रहे हैं। अब इस कड़ी में 'सिंहम अगेन' 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी। इसमें दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। साल की दो प्रमुख फिल्मों में दीपिका पादुकोण का होना और इससे पहले 'पठान', 'जवान' जैसी

पिछले कुछ सालों से सीक्वल फिल्मों का ट्रेंड बढ़ा है। साल 2024 में भी बड़े बैनर और हिट फिल्मों की कई सीक्वल फिल्में नजर आएंगी। साथ ही कुछ बड़े स्टार्स की फिल्मों भी रिलीज होंगी। साल 2024 में रिलीज होने वाली कुछ फिल्मों पर एक नजर।

साल 2024 रहेगा सीक्वल फिल्मों के नाम



सफल (1,000 करोड़ी) फिल्मों का हिस्सा होना, बॉलीवुड में उनके बढ़ते कद को साबित करता है।

वर्ष 2021 की सफल फिल्मों में 'पुष्पा' शामिल थी, जिसके ब्लॉकबस्टर होने पर यह चर्चा आम हो गई थी कि दक्षिण की फिल्मों बॉलीवुड पर हावी हो रही हैं। हालांकि इस मिथ को 2023 में शाहरुख खान ने अपनी असाधारण वापसी और कामयाबी से तोड़ दिया, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि दक्षिण भारत की फिल्मों में दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ी है, विशेषकर इसलिए भी कि टीवी चैनलों पर दिन-रात तमिल, तेलुगु की हिंदी में डब की



गई फिल्में चलती रहती हैं। यह फिल्म भी थिएटरों में 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी यानी इसका 'सिंहम अगेन' से मुकाबला रहेगा। 'पुष्पा 2: द रूल' में अल्लु अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल मुख्य भूमिकाओं में हैं।

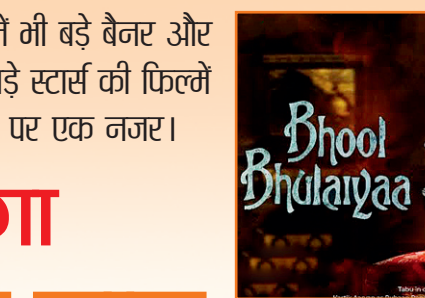
आपंगी ये भी सीक्वल फिल्में: 'स्त्री' सीरीज की सीक्वल 'स्त्री 2' हॉर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में एक बार फिर राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म साल 2024 में ही रिलीज होगी, लेकिन इस रिलीज डेट अभी तय नहीं है। निर्देशक अनिस बच्ची की 'भूल भुलैया-3' सीक्वल भी 2024 में दिवाली के मौके पर

रहा, इसलिए इस अपराधबोध में ज्यादातर पुरुष वर्षात पर यह संकल्प लेते हैं।

नई स्किल सीखना: यह भी एक और लोकप्रिय संकल्प है, जो इस मायने में बाकी संकल्पों से अलग है। इसे बाकी संकल्पों के मुकाबले कुछ व्यावहारिक सफलता भी मिलती है। क्योंकि बाकी संकल्प जहां दशमलव एक फीसदी भी पूरे नहीं होते, वहीं यह संकल्प जो खास तौर पर 25 से 40 साल की उम्र के युवा लेते हैं, जिनमें लगभग 4 से 5 फीसदी तक इसे पूरा करते हैं। इसे पूरा करने वालों में पुरुष करीब 80 फीसदी होते हैं, जबकि महिलाएं लगभग 20 फीसदी।

आत्मविश्वास विकसित करना: विशेषकर युवा इस संकल्प को भी बहुत बड़े पैमाने पर लेते हैं। लेकिन यह संकल्प भी सबसे कम पूरा करने वाले संकल्पों में ही एक है। इस साल भी इस संकल्प की जगह पहले दस प्रमुख संकल्पों में है।

नई-नई जगह देखना: ट्रेवल करने का संकल्प भी हर साल बहुत बड़ी संख्या में लोगों द्वारा किया जाता है। क्योंकि हर किसी के मन में घूमने की एक इच्छा रहती है। भले लोग घूम ना पाएं लेकिन घूमने के लिए वे लक्ष्य हर नए साल पर बनाते हैं। यह शायद उन गिने-चुने संकल्पों में से एक है, जो सबसे कम पूरा होता है। बावजूद इसके यह संकल्प भी अक्सर टॉप 10 रेजॉल्यूशंस में बना रहता है और इस साल भी है। *



रिलीज होगी, इसमें एक बार फिर कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में होंगे। वेलकम सीरिज की तीसरी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' 20 दिसंबर 2024 को क्रिसमस के मौके पर आएगी। अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरसद वारसी, परेश रावल, रानी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर, श्रेयस तलपडे, ज्वीन टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी के अलावा बड़ी स्टार कास्ट शामिल है। साल 2024 में कुछ लोकप्रिय फिल्मों के सीक्वल रिलीज हो सकते हैं लेकिन अभी उनकी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है, जिनमें 'हेरा फेरी-3', 'गोलमाल 5', 'एंटरटेनमेंट 2' और 'किंक 2' शामिल हैं।

नॉर्थ-साउथ सिनेमा में बढ़ती नजदीकियां: ऐसा लगता है कि साल 2024 मद्रास और मुंबई के फिल्मोद्योगों के अंतर को अगर मिटाएगा, नहीं तो कम अवसर कर देगा। इसे साबित करती है साल के शुरू में 12 जनवरी को ही रिलीज होने वाली दो फिल्मों। पहली फिल्म 'मैरी क्रिसमस' है। डायरेक्टर श्रीराम राघवन की इस फिल्म में लीड रोल कैटरिना कैफ पहली बार साउथ स्टार विजय सेतुपति के साथ दिखेंगी।

प्लानिंग / शिखर चंद्र जैन

अगर आपका बीता साल आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा और आप कुछ नया करना चाहते हैं, तो आपको अपनी लाइफ का एक नया ब्लू प्रिंट तैयार करना चाहिए। तभी आप इसे एक नया, प्रभावशाली और आकर्षक रूप दे सकेंगे।

नए साल में बनाएं लाइफ का नया ब्लूप्रिंट

एक शिल्पकार बड़े मनोयोग से अपनी किसी कृति को अंतिम रूप दे रहा था। तभी उसके शिल्प से प्रभावित एक प्रशंसक उसके पास आया और पूछा, 'आप टेढ़े-मेढ़े और बेडौल पत्थरों से इतनी खूबसूरत चीजें कैसे बना लेते हैं?' शिल्पकार ने मुस्करा कर कहा, 'दोस्त, इन पत्थरों में खूबसूरती तो पहले से ही मौजूद होती है। मैं तो बस इनका अतिरिक्त अंश काट-छांट कर हटा देता हूँ।' कहने का मतलब है कि किसी वस्तु या जीवन को सुंदर बनाना या अपना मनचाहा रूप देना हमारे ही हाथों में होता है। कल से शुरू हो रहे नए साल में भी आप नई शुरुआत कर सकते हैं।

बेंजामिन फ्रैंकलिन के अनुसार, नए साल को खूबसूरत और सार्थक बनाना है तो अपने दोषों और कमियों को दुश्मन समझकर उनसे युद्ध लड़िए, अपने पड़ोसियों के साथ मधुर व्यवहार कीजिए और हर नए साल किसी अच्छे इंसान की तलाश कीजिए। इसके लिए यहां बताए जा रहे सूत्र कारगर हो सकते हैं।

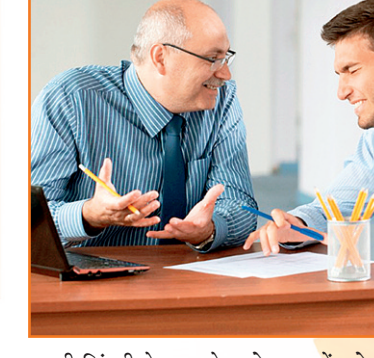


सोचें नहीं कर डालें: जिंदगी में कुछ पाने के लिए सिर्फ सोचना काफी नहीं है। आपको अपनी सोच और प्लान को इंग्लोमेंट भी करना पड़ेगा। इसलिए दिन-रात सिर्फ सोचने में वक्त बर्बाद न करके कामों को उनके महत्व और प्राथमिकता के हिसाब से करते भी चलें। जब आप एक के बाद एक काम करते चलेंगे, तो जल्द ही उपलब्धियां सामने नजर आने लगेंगी।

कठिन कामों पर पाएँ विजय: यूएस स्थित मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर डेविड मिंडेल कहते हैं, 'आप

की आदत आपको कहीं का नहीं छोड़ेगी। सोच को पॉजिटिव रखें और निर्णय समय से लेने की आदत डालें।

अपने प्रति विश्वसनीय बनें: 'डिजाइन युआर लाइफ' के लेखक निक रिक्सन कहते हैं कि सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि आप खुद के प्रति विश्वसनीय रहें। जिंदगी की डिजाइनिंग असल में यह चुनना है कि चीजों को आप किस तरह देखना चाहते हैं और किस तरह हासिल करना चाहते हैं। इस दुनिया में जितनी चीजें बनाई गई हैं, उनके निर्माताओं का कॉन्सेप्ट क्लियर था कि उनकी बनाई चीजें कैसे दिखेंगी और वे उन्हें कैसे बना सकेंगे? बस इसी तरह हमें अपनी



जिंदगी का डिजाइन बनाते वक्त बस कुछ पहले से जानना होगा और इस मामले में बिल्कुल ईमानदार रहना होगा।

बड़ा-स्पष्ट लक्ष्य बनाएं: पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि छोटे सपने देखा पाए और इन्हें लक्ष्य बनाएं और उसे पूरा करने में जुट जाएं। यह लक्ष्य अपनी जिंदगी के उस क्षेत्र को पहचानें, जो आपको बहुत कठिन लगता हो। फिर उस पर पूरी मेहनत और गंभीरता से काम करें। शुरुआती हिचकोलों के बाद जल्दी ही आपका काम आसान होने लगेगा। एक बार एक समस्या पर काम करें, फिर अगली समस्या को चुनें।

चुनौतियों को मौका समझें: जिंदगी में आसानी से कुछ भी नहीं मिलता। चुनौतियां तो पग-पग पर आपके सामने आएंगी। लेकिन इनसे घबराना पीछा छोड़ने की बजाय इन्हें खुद की काबिलियत साबित करने का मौका समझें। सरोद वादक अमान अली खां कहते हैं, 'चुनौतियों को स्वीकारें और अपनी ऊर्जा एफेक्टिव करके उन पर एक साथ पूरी ताकत और दृढ़ संकल्प के साथ जुट जाएं। चुनौतियों से पीछा छोड़ने के बहाने बनाएंगे, तो जिंदगी में बहुत पीछे जा जाएंगे।'

पूरा प्लान बनाएं: कॉरपोरेट गुरु अजीम जमाल कहते हैं कि अपने जीवन का एक निश्चित मकसद तय करें, फिर इसे हासिल करने की योजना बनाएं। बाधाएँ तो आएंगी लेकिन इन्हें अनुशासन और लगन के बल पर पार करें। किसी काम को बीच में छोड़ने

पर्सनल, प्रोफेशनल या एकेडमिक कैसा भी हो सकता है लेकिन आपका लक्ष्य व्यावहारिक होना चाहिए।

होसले रखें बुलंद: लाइफ कोच और मेटा फिजिशियन वॉन स्टेन कहते हैं, 'आप अपनी जिंदगी में वाकई बदलाव चाहते हैं तो अपनी क्षमताओं के प्रति सशक्त ना रहें। आपका हैसलता और आत्मविश्वास ऊंचा रहने पर ही आप आगे बढ़ सकेंगे। अगर आप पूरे समर्पण और होसले के साथ ब्लू प्रिंट पर काम करेंगे, तभी यह साकार हो सकेगा।

वरना एक फ्लॉप प्रोजेक्ट बन कर रह जाएगा। जिंदगी में हर दिन कुछ नया होता है, जिसे खुले दिल से स्वीकारें।

बुरी आदतों से निजात पाएं: काम टालने, आलस्य, नशा, नेगेटिव लोगों की संगत से दूर रहें। जिंदगी से अनावश्यक लोगों, चीजों और बोझ छोट दीजिए। जैसे बूके बनाने के लिए फूलों से अतिरिक्त पत्ते, टहनियां, काटते-छांटते हैं, तभी वह आकर्षक बन पाता है या जैसे उद्यान की साफ-सफाई ना हो तो जंगल बन जाएगा, ठीक उसी प्रकार जिंदगी से फालतू और बोझिल चीजों को ना हटाया जाए तो जिंदगी दुश्वारियों से भर जाएगी। *

दक्षिण भारत की ही एक अन्य बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' है, जो 12 जनवरी 2024 को ही रिलीज होगी। इसमें प्रभास, दीपिका पादुकोण के साथ कमल हासन और अमिताभ बच्चन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

कमल हासन की साल 1996 में आई 'इंडियन' फिल्म का सीक्वल 'इंडियन 2' भी नए साल में रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशक एस. शंकर हैं। फिल्म की स्टार कास्ट में अजय देवगन, काजल अग्रवाल, नयनतारा और रकुल प्रीत सिंह जैसे स्टार शामिल हैं। कमल हासन की एक अन्य फिल्म जिसकी बेसब्री से प्रतीक्षा है, वह 'ठग लाइफ' है। इस एक्शन फिल्म में कमल हासन के अलावा जयम रवि, तुषा कृष्णन, दुलकर सलमान और पंकज त्रिपाठी दिखाई देंगे। यह फिल्म भी साल 2024 में रिलीज होगी, लेकिन अभी फिल्म की डेट अनाउंस नहीं हुई है।

एक्शन करते दिखेंगे अक्षय कुमार: डेविड धवन ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा को लेकर 'बड़े मियां छोटे मियां' नामक एक सफल हास्य फिल्म बनाई थी। अब अली



अब्बास जफर इसी टाइल से एक एक्शन फिल्म बना रहे हैं, जिसमें अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल में हैं। यह फिल्म 2024 में इंड के मौके पर रिलीज होगी।

आमिर खान करेंगे कमबैक: साल 2023 में तीन ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद 2024 में शाहरुख खान की कोई फिल्म नहीं आएगी, जबकि आमिर खान की एक फिल्म 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी जिसने राजकुमार हिरानी ने बनाया है, लेकिन अभी तक इसका नाम डिसाइड नहीं हुआ है। *

अब्बास जफर इसी टाइल से एक एक्शन फिल्म बना रहे हैं, जिसमें अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल में हैं। यह फिल्म 2024 में इंड के मौके पर रिलीज होगी।